नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 ईमेल-promgahv@gmail.com

फिल्म में करिअर के लिए अब वर्धा में भी अवसर उपलब्ध

हिंदी विश्वविद्यालय ने शुरू किया फिल्म निर्माण का पाठ्यक्रम

फिल्म और धारावाहिकों में बढ़ती मांग को देखकर तैयार किया है स्वरोजगार केंद्रित पाठ्यक्रम

वर्धा दि. 8 जुलाई 2015: फिल्म में करिअर करना हो और सिनेमेटोग्राफर तथा केमेरामन के रूप में अपना का स्वरोजगार शुरू करना हो तो इसके लिए वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नया कोर्स शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कार्यक्रम बी. वोक. के तहत विश्वविद्यालय में फिल्म निर्माण और नाट्य प्रस्तुति का तीन वर्षीय बी. ए. का पाठ्यक्रम फिल्म और नाटक में रूचि रखने वाले तथा इस क्षेत्र में अपना करिअर शुरू करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है।

पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि छात्रों को प्रथम वर्ष में यानि दो सेमेस्टर में सिनेमेटोग्राफी विषय पढ़ाया जाएगा। छात्र एक वर्ष की पढ़ाई में ही सिनेमेटोग्राफर बन सकता है या उसे सिनेमेटोग्राफर के रूप में फिल्म उद्योग में काम मिल सकता है। दूसरे वर्ष में छात्रों को इस प्रकार से तैयार किया जाएगा जिससे कि उसे फिल्म एडिटिंग और साउंड रिकार्डिंग का काम मिल सके। इस विषय की तकनीक और बारीकियों का अध्ययन दूसरे वर्ष की पढ़ाई में किया जाएगा। पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष में फिल्म निर्देशन और कला निर्देशन को लेकर छात्रों को तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कलाएं (नाट्य एवं फिल्म) विभाग के अध्यक्ष, पाठ्यक्रम के निर्माता प्रो. सुरेश शर्मा ने पाठ्यक्रम की महत्ता एवं आवश्यकता को अधारेखित करते हुए बताया कि हाल के दिनों भारत में विभिन्न भाषांओं में बनने वाली फिल्में और विभिन्न टीवी पर प्रसारित होने वाले धारावाहिकों आदि के विस्तार को देखकर इस क्षेत्र में बढ़ती हुई मांग को पूरी करने की दिशा में होनहार और कौशल्युक्त, प्रतिभावान छात्रों को तैयार करने की दिशा में पाठ्यक्रम को डिजाईन किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि वे खुद अपना स्वरोजगार शुरू कर एक सफल व्यवसायी के रूप में भी इस क्षेत्र में अपना व्यवसाय शुरू कर सकेंगे।

फिल्म निर्माण के साथ-साथ नाट्य प्रस्तुति विषय को चुनाव करने वाले छात्र नाटक में अभिनय कर सकेंगे। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को मंच विन्यास, नाट्य निर्देशन, कैमरा हैंडलिंग से लेकर डिजिटल

कैमरा और फिल्मांकन के नियम, कैमरे के सामने और दर्शक के सामने अभिनय की प्रक्रिया आदि में बारे में तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय में पहली बार इस प्रकार के कौशल आधारित पाठ्यक्रम के प्रवेश के लिए छात्र 31 जुलाई 2015 तक आवेदन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी हेतु छात्र विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कलाएं (फिल्म एवं नाटक) विभाग से सीधे संपर्क कर सकते हैं।